वैश्विक उत्सव ने रिझाया बिहार वासियों को

4 अक्टूबर, 2009 को पटना के गाँधी मैदान में अहले सुबह से ही आध्यात्मिकता की बहार आने लगी थी। जिसकी खुशबू जैसे–जैसे दिन बढ़ता गया, सारी बिहार में होती हुई चारों ओर फैल गई। सर्वप्रथम शीलू बहनजी ने वैश्विक उत्सव के मंच से बाबा की मुरली सुनाई। 11:30 बजे **श्री नीतीश कुमार,** माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार ने शिव ध्वज लहराकर वैश्विक उत्सव का शुभारंभ किया। उसके पश्चात् गाँधी मैदान में लोगों के आने का ताँता लग गया और 2 बजे के पहले ही सारा पण्डाल भर गया। फिर दिल्ली, कोलकाता और पटना के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम कार्यक्रम चला। अपराह्न 03:30 बजे महामहिम राज्यपाल **श्री देबानन्द कुँवर** ने दीप प्रज्ज्वलन कर वैश्विक उत्सव का विधिवत् उद्घाटन किया। उस समय अनेक नामीग्रामी हस्तियाँ मंच पर एवं सभा में उपस्थित थीं।

महामहिम राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में कहा – यह वैश्विक उत्सव समय की आवश्यकता है। इससे बिहार के लोगों में शान्ति, एकता और सद्भावना का संदेश जायेगा। इस आयोजन के लिए उन्होनें ब्रह्माकुमारीज का आभार प्रकट किया।

श्री शत्रुघ्न सिन्हा, माननीय सांसद ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस वैश्विक उत्सव में हम परमात्मा से ऐसा वरदान प्राप्त करें कि सारा देश एक सूत्र में बंध जाये।

मननीय उप–मुख्यमंत्री **श्री सुशील कुमार मोदी** ने कहा कि जो कार्य मनमोहन सरकार, नीतीश सरकार या मैं भी नहीं कर सकता, वो कार्य ब्रह्माकुमारीज कर रही है। उन्होंने कहा–हम सड़क बना सकते हैं, बिजली लगा सकते हैं लेकिन इंसान को एक अच्छा इंसान नहीं बना सकते; वो कार्य आप बड़ी कुशलता से कर रहे हैं।

नैरोबी से पधारीं **वेदान्ती बहन जी** ने जोर देकर कहा कि भगवान वायदे के मुताबिक आ चुके हैं। अभी आप उनसे जितने वरदान और शक्तियाँ प्राप्त करना चाहो, कर सकते हो।

आबू से पधारीं **शीलू बहन जी** ने राजयोग की विधि बताई एवं 108 बहनों के साथ मेडिटेशन करवाया। उस समय वातावरण में शान्ति एवं शक्ति का सबों ने अनुभव किया।

दादी निर्मल पुष्पा जी, निदेशिका, पूर्वी क्षेत्र, ब्रह्माकुमारीज, पटना ने आर्शीवचन देते हुए कहा कि इस वैश्विक उत्सव के माध्यम से दीपावली के पूर्व ही अपनी आत्म–ज्योति जगाकर परमात्मा से वरदान एवं शक्ति प्राप्त करें। उन्होंने राजयोग मेडिटेशन सीखने के लिए पाँच स्थानों पर हो रहे आयोजन में नामांकन कराने का आह्वान किया।

आबू से पधारे **मृत्युंजय भाईजी** ने कहा कि इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य जन–जन को आध्यात्मिकता के प्रति जागरूक करना है। जिसके द्वारा मनुष्य में ईमानदारी, कर्मठता आदि नैतिक गुणों का विकास होगा जिससें सरकारें अपने कार्य को सुव्यवस्थित ढ़ंग से कर सकेंगी।

पानीपत से पधारे **भारत भूषण भाई** ने कहा कि समय की माँग है विज्ञान के साथ–साथ आध्यात्मिकता का समन्वय हो। बिना आध्यात्मिकता के विज्ञान के साधन हमें पूर्ण रूप से सुखी नहीं बना सकते।

रानी दीदी, उत्तर बिहार संचालिका ने कहा कि अब बहुत जल्द इस धरा पर स्वर्णिम दुनिया आ रही है। परमपिता परमात्मा इस कार्य को नारी शक्ति को निमित्त बनाकर करवा रहे हैं और जन–जन को ये संदेश दे रहे हैं।

इस वैश्विक उत्सव में बिहार सरकार के अनेक मंत्री, सांसद, विधायक एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। गरबा–नृत्य एवं महाआरती कलाकार **सुरेश राज** ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में टॉक शो का भी आयोजन किया गया। लगभग ***एक लाख*** लोग इस वैश्विक उत्सव में सम्मिलित थे। प्रिंट–मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक–मीडिया ने पूरे समारोह का कवरेज किया और सभी अखबारों के माध्यम से ये ईश्वरीय संदेश गया।सभी लोग इस वैश्विक उत्सव में खुशी, आनन्द, परमात्म वरदान एवं शक्तियों का अनुभव कर रहे थे।

स्वागत–भाषण **श्री कमल नोपानी,** अध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने किया। मंच संचालन **कृष्ण भाई** एवं धन्यवाद–ज्ञापन **संजय भाई** ने किया। प्रकृति ने भी कार्यक्रम के आरंभ में एवं अन्त में फुहारे बरसाकर वैश्विक उत्सव का अभिवादन किया।